



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रांधकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 115]

नई विल्ली, बूहस्पतियार, मार्च 31, 1983/चैत्र 10, 1905

No. 115] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 31, 1983/CHAITRA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

उपायन्दिन

राजस्व विभाग

भारत गणराज्य की सरकार

अधिसूचना

और

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1983

कुवैत राज्य की सरकार

प्रायकर

के बीच

जन्तराष्ट्रीय वायु परिवहन से प्राप्त
आय पर दोहरे कराधान के परिहार के लिए

करार

भारत गणराज्य की सरकार और कुवैत की सरकार

अन्तर्राष्ट्रीय वायु परिवहन से प्राप्त आय पर दोहरे

कराधान के परिहार के लिए करार सम्पन्न करने की इच्छा से
नीचे लिखी बातों पर सहमत हुई है

अनुच्छेद

1. वर्तमान कर, जिन पर यह करार लागू होगा, इस प्रकार है:—

(क) कुवैत के मामले में:

(i) 1966 की आय कर छिन्नी सं. 3 के अधीन
लगाया जाने वाला आय-कर;

अतः केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 90 और कंपनी (लाभ)
अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 24क
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेश देती है कि
उक्त करार के सभी उपबन्ध भारत संघ में प्रभावी किए
जाएंगे।

(ii) 1970 के कानून सं० 34 के अधीन लगाया जाने वाला अतिरिक्त आयकर।

(जिनका इसके बाद “कुर्वैती कर” के रूप में उल्लेख किया गया है।)

(ख) भारत के मामले में :

(i) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन लगाया जाने वाला आयकर जिसमें आयकर पर लगने वाला कोई भी अधिभार शामिल है;

(ii) कम्पनी (नाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) के अधीन लगाया जाने वाला अतिकर (जिनका इसके बाद ‘भारतीय कर’ के रूप में उल्लेख किया गया है।)

2. यह करार किन्ही समरूप अथवा मारतः इसी तरह के उन करों पर भी लागू होगा, जो वर्तमान करार पर हस्ताक्षर होने की तारीख के बाद, इस अनुच्छेद के पैराग्राफ-1 में उल्लिखित करों के अतिरिक्त अथवा उनके स्थान पर लगाये जाने हैं।

अनुच्छेद 2

1. इस करार में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित नहोः

(क) “कुर्वैत” शब्द से कुर्वैत का राज्य क्षेत्र अभिप्रेत है और उसमें प्रादेशिक समूद्र तथा उसके ऊपर का हवाई-क्षेत्र शामिल है;

(ख) “भारत” शब्द से भारत का राज्य क्षेत्र अभिप्रेत है और उसमें प्रादेशिक समूद्र तथा उसके ऊपर का हवाई-क्षेत्र और प्रादेशिक समूद्र, महाद्वीपीय जलयन्त्रित भूमि, अन्य आर्थिक क्षेत्र और अन्य समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1976 (1976 का अधिनियम सं० 80) में उल्लिखित ऐसा कोई अन्य समुद्री क्षेत्र शामिल है जिसमें भारत के कुछ अधिकार हैं और जिस सीमा तक उनमें इन अधिकारों का प्रगोण इस तरह से किया जा सकता है जैसे कि वह समुद्री क्षेत्र भारतीय राज्य क्षेत्र का एक हिस्सा है।

(ग) “एक संविदाकारी राज्य” और “दूसरे संविदाकारी राज्य” शब्दों से, संदर्भ की अपेक्षा के अनुसार, कुर्वैत अथवा भारत अभिप्रेत है;

(घ) “कर” शब्द में, संदर्भ की अपेक्षा के अनुसार, “कुर्वैनी कर” अथवा “भारतीय कर” अभिप्रेत है;

(ङ) “एक संविदाकारी राज्य का उद्यम” शब्द से वह हवाई कम्पनी अभिप्रेत है जिसे उस राज्य की सरकार द्वारा, दो संविदाकारी राज्यों के बीच

सामान्य अथवा विशेष व्यवस्था के जरिये उनके राज्य क्षेत्रों के बीच अथवा बाहर निर्धारित अथवा अनिर्धारित उड़ानों के संचालन के लिये प्राधिकृत किया जाता है;

(च) “अन्तर्राष्ट्रीय यातायात” शब्द का अर्थ एक संविदाकारी राज्य के किसी उद्यम द्वारा संचालित वायुयान द्वारा किसी भी परिवहन से है, उस स्थिति को छोड़कर जब वायुयान केवल दूसरे संविदाकारी राज्य में स्थित स्थानों के बीच ही संचालित किया जाता है।

(छ) “वायुयान संचालन” पदों से व्यक्तियों, पण्डितों, सामान विक्रार्थी माल अथवा डाक को हवाई जहाज से लाने ले जाने का व्यापार अभिप्रेत है और उसमें टिकटों और वायुमार्ग विल तथा इस प्रकार के परिवहन से संबंधित सेवाओं की व्यवस्था शामिल है, चाहे वह स्वयं उद्यम के लिये ही हो अथवा इस प्रकार के संचालनों में लगे किसी भी अन्य उद्यम के लिए हो।

2. किसी एक संविदाकारी राज्य द्वारा इस करार के उपबन्धों के प्रवर्तन में किसी शब्द का, जो प्रयुक्त हुआ हो ऐसन्तु यहां परिभाषित नहीं हो, सन्दर्भ की अन्यथा अपेक्षा न होने पर, वही अर्थ होगा जो उस गण्य के उन करों से संबंधित कानूनों के अन्तर्गत होता है जो इस करार के विषय हैं।

अनुच्छेद 3

1. एक संविदाकारी राज्य के किसी उद्यम द्वारा, अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्राप्त होने वाले लाभों पर दूसरे संविदाकारी राज्य में कर से छूट प्राप्त होगी।

2. पैराग्राफ 1 के उपबन्ध, एवं संविदाकारी राज्य के किसी उद्यम द्वारा किसी सामूहिक (पूल) सेवा में, संयुक्त वायु परिवहन संचालन में अथवा किसी अन्तर्राष्ट्रीय संचालन ऐसी में भाग लेने से, अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्राप्त लाभों के हिस्से पर भी लागू होंगे।

3. पैराग्राफ 1 के प्रयोजन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्रत्यक्षतः संबंधित निधियों पर व्याज को वायुयान के संचालन से ह्राई आय के रूप में माना जाएगा।

अनुच्छेद 4

योनों संविदाकारी राज्यों में से किसी भी एक राज्य में नामूना कानून, जहां इस करार में स्पष्टतः विपरीत प्रावधान बनाया जाता है उसको छोड़कर, संबंधित संविदाकारी राज्य में आय के कर-निर्धारण तथा कराधान को शासित करते रहेंगे।

अनुच्छेद 5

1. यह करार प्रत्येक संविदाकारी राज्य में प्रवृत्त विधि के अनुसार अनुमोदित किया जाएगा। यह (करार) उस तारीख

स 30 दिन बाद प्रवृत्त होगा जिस तारीख को यह प्रमाणित करते हुए दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया जायेगा कि प्रत्येक संविदाकारी राज्य में उचित कार्यविधि पूरी करनी गई है।

दस्तावेजों का आदान-प्रदान नहीं दिल्ली में होगा।

2. इस करार के उपबन्ध 1-1-67 से, उद्भूत होने वाली आय के बारे में प्रभावी होंगे।

3. 1-1-1967 से पूर्व की अवधि के संबंध में कर निधारणों को पुनः खोलने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।

अनुच्छेद 6

यह करार अनिश्चित काल तक प्रभावी रहेगा परन्तु संविदाकारी राज्यों में से कोई भी राज्य वर्ष 1986 के पश्चात् किसी कैलेण्डर वर्ष में जून के सीमावें दिन अथवा उससे पूर्व, दूसरे संविदाकारी राज्य को इसे समाप्त करने का नोटिस दें सकेगा और ऐसी स्थिति में यह करार;

- (क) कुंवैत में, जिस कैलेण्डर वर्ष में नोटिस दिया गया हो, उसके परवर्ती दूसरे कैलेण्डर वर्ष के जुलाई मास के पहले दिन अथवा उसके पश्चात् शुरू होने वाली किसी कर वर्ष के संबंध में;
- (ख) भारत में, जिस कैलेण्डर वर्ष में नोटिस दिया गया हो उसके परवर्ती दूसरे कैलेण्डर वर्ष के अप्रैल मास के पहले दिन अथवा उसके पश्चात् शुरू होने वाले किसी कर निधारण वर्ष के संबंध में, प्रभावी नहीं रहेगा।

जिसके साथ में, इसके लिए विधिवत् प्राधिकृत अधी-हस्ताक्षरीयों ने इस करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुंवैत में एक हजार नी सो व्यासी के अप्रैल मास के द्वितीयसवें दिन को हिन्दी, अंग्रेजी और अंग्रेजी भाषाओं में दो प्रतिश्यों से किया गया, परन्तु गन्दह की स्थित में अंग्रेजी पाठ ही प्रभावी होगा।

ह०

ह०

भारत सरकार
की ओर से

कुंवैत सरकार की
ओर से

[फा० सं० 501/1/80-एफटीडी]
आर०आर० खोसला, संयुक्त सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 31st March, 1983

G.S.R. 302(E).—Whereas the annexed Agreement between the Government of the Republic of India and the Government of the State of Kuwait for the avoidance of double taxation of Income derived from international air transport has come into force on the notification by both the Contract-

ing States to each other of completion of the procedures required by their respective laws, as required by Article 5 of the said Agreement.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and section 24A of the Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Government hereby directs that all the provisions of the said agreement shall be given effect to in the Union of India.

ANNEXURE

AGREEMENT BETWEEN THE GOVERNMENT OF THE REPUBLIC OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF THE STATE OF KUWAIT FOR THE AVOIDANCE OF DOUBLE TAXATION OF INCOME DERIVED FROM INTERNATIONAL AIR TRANSPORT

The Government of India and the Government of Kuwait Desiring to conclude an Agreement for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport.

Have agreed as follows :

Article 1

1. The existing taxes to which this Agreement shall apply are :

(a) in the case of Kuwait :

- (i) the income-tax imposed under the Income Tax Decree No. 3 of 1955;
- (ii) the additional income-tax imposed under the Law No. 34 of 1970 (hereinafter referred to as "Kuwaiti tax").

(b) in the case of India :

- (i) the income-tax including any surcharge thereon imposed under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);
- (ii) the surtax imposed under the companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964) (hereinafter referred to as "Indian tax").

2. This Agreement shall also apply to any identical or substantially similar taxes which are imposed after the date of signature of this Agreement in addition to, or in place of, the taxes referred to in paragraph 1 of this Article.

Article 2

1. In this Agreement, unless the context otherwise requires:

- (a) the term "Kuwait" means the territory of Kuwait and includes the territorial sea and airspace above;
- (b) the term "India" means the territory of India and includes the territorial sea and airspace above it as well as any other maritime zone referred to in the Territorial Waters, Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and other Maritime Zones Act, 1976 (Act No. 80 of 1976), in which India has certain rights and to the extent that these rights can be exercised therein as if such maritime zone is a part of the territory of India;
- (c) the term "a Contracting State" and the "other Contracting State" mean Kuwait or India, as the context requires;
- (d) the term "tax" means "Kuwaiti tax" or "Indian tax" as the context requires;
- (e) the term "enterprise of a Contracting State" means an airline which is authorised by the Government

of that State by a general or special arrangement between the two Contracting States to operate scheduled or non-scheduled flights between or beyond their territories;

(f) the term "international traffic" means any transport by an aircraft operated by an enterprise of a Contracting State, except when the aircraft is operated solely between places in the other Contracting State;

(g) the expression "operation of aircraft" means a business of carriage by air of persons, livestock, baggage, cargo or mail and includes the sale of tickets and airway bills for, and the provision of services connected with, such carriage either for the enterprise itself or for any other enterprise engaged in such operations.

2. In the application of the provisions of this Agreement by one of the Contracting States, any term used but not defined herein shall, unless the context otherwise requires, have the meaning which it has under the laws in force in that State relating to the taxes which are the subjects of this Agreement.

Article 3

1. Profits derived by an enterprise of a Contracting State from the operation of aircraft in international traffic shall be exempt from tax in the other Contracting State.

2. The provisions of paragraph 1 shall also apply to the share of profits from the operation of aircraft in international traffic derive by an enterprise of a Contracting State through participation in a pooled service, in a joint air transport operation or in an international operating agency.

3. For the purpose of paragraph 1, interest on funds directly connected with the operation of aircraft in international traffic shall be regarded as income from the operation of aircraft.

Article 4

The laws in force in either of the Contracting States will continue to govern the assessment and taxation of income in the contracting States except where express provisions to the contrary is made in this Agreement.

Article 5

1. This Agreement shall be approved in accordance with the laws in force in each of the Contracting States. It shall enter into force thirty days after the exchange of letters certifying that the proper procedure was fulfilled in each Contracting State. The exchange of letters shall take place at New Delhi.

2. The provisions of this Agreement shall have effect in respect of the earnings arising from 1-1-1967.

3. No action would be taken to reopen assessments in respect of the period prior to 1-1-1967.

Article 6

This Agreement shall continue in effect indefinitely but either Contracting State may, on or before the thirtieth day of June in any calendar year after the year 1986 give notice of termination to the other Contracting State and in such event this Agreement shall cease to be effective :

(a) In Kuwait, in respect of any year of tax commencing on or after the 1st day of July of the second calendar year following the year in which the notice is given ;

(b) In India, in respect of any assessment year commencing on or after the 1st day of April of the second calendar year following the year in which the notice is given.

In witness whereof the undersigned, duly authorised thereto have signed the present Agreement.

Done in duplicate at Kuwait this twenty first day of April one thousand nine hundred and eightytwo in the Hindi, Arabic and English languages and in the event of any doubt, the English text shall prevail.

Sd/-
For the Government of India

Sd/-
For the Government of Kuwait.

[F. No. 501/1/80-FTD]
R. R. KHOSLA, Jt. Secy.